

13

न्यायालय राजस्व मॉडल म.प्र. ग्वालियर

प. क्र. / 15

निं. 13023/1/15

अधोशा शर्मा पुत्र श्री द्वारिकाप्रसाद शर्मा
निवासी ग्राम नावली तह. गोहद जिला भिंड

— आवेदक

काम

पति - कलावती द्वारा वारिसान

1. बलवीर पुत्र केशा नारायण , उम्र 40 वर्ष
2. रनवीर पुत्र केशा नारायण , उम्र 37 वर्ष
3. ओम प्रकाश , रामसेवक , राधेश्याम मुन्नालाल पुत्रगण रामरत्न सभ्रत जाति ब्राह्मण निवासी कस्बा गोहद जिला भिंड म.प्र.

4. नाथूराम पुत्र रामसिंह

5. प्रभूदयाल पुत्र गरीबे निवासीगण गोहद

6. श्रीमती महदेवी पत्नी बाबूलाल निवासी ग्राम

तोडे वाली माता तहसील गोहद जिला भिंड म.प्र.

— आवेदकगण

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 का म.प्र. भू.रा.स. 1959 विरुद्ध
आदेश दिनांक 14-8-15 व 17-8-15 द्वारा पारित न्यायालय
तहसीलद्वारा गोहद प. क्र. 17/2010-11 अ 27 कलावती विरुद्ध
द्वारिका प्रसाद के निष्पत्ति से दुखी होकर ।

श्रीमान जी,

हम आवेदकगण की निगरानी तथ्यो एवं आधारों पर प्रस्तुत है
यह कि, अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष हम आवेदकगण एवं

दिनांक 8-9-15 का
श्री रामसेवक शर्मा अधो
काय प्रस्तुत ।

8-9-15
50

(प्रमाण) शर्मा 50

2-5-92

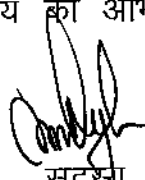


XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक निग0 3023-एक/15

जिला - भिण्ड

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
6-4-16	<p>प्रकरण का अवलोकन किया । यह निगरानी तहसीलदार, गोहद जिला भिण्ड द्वारा प्रकरण क्रमांक 17/2010-11/अ-27 में पारित आदेश दिनांक 14-8-15 एवं 17-8-15 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता, 1959 (जिसे आगे संहिता कहा जायेगा) की धारा 50 के तहत पेश की गई है ।</p> <p>2/ उभयपक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं के तर्कों पर विचार किया एवं अभिलेख का तथा आलोच्य आदेशों का परिशीलन किया । प्रथमतः यह निगरानी तहसीलदार के 2 अंतरिम आदेशों के विरुद्ध पेश की गई है जबकि पृथक-2 निगरानी प्रस्तुत की जाना चाहिए । इसके अतिरिक्त आदेश दिनांक 14-8-15 में किसी प्रकार का कोई आदेश पारित नहीं किया गया है केवल इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि व्यवहार न्यायालय से अपील का निराकरण हो चुका है अतः प्रकरण में कार्यवाही संचालित की जाये । आदेशिका दिनांक 17-8-15 में मृतक के वारिसों को अभिलेख पर लिए जाने का आदेश दिया गया है जिसमें किसी प्रकार की को अवैधानिकता परिलक्षित नहीं होती है । दर्शित परिस्थिति में यह निगरानी आधारहीन होने से निरस्त की जाती है ।</p> <p>3/ उभयपक्ष सूचित हों एवं अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख वापिस हो ।</p> <p style="text-align: right;"> सदस्य</p>	

8/16